8. बुलाना

9. बेटी बाजार जाती है

10. पक्षी आसमान में उड़ते हैं।

11. लड़का पाठ पढ़ रहा है।

12. दादाजी अख़बार पढ़ता है।

II 13)

अ) सुंदरता

आ) बहुत

इ) चिड़िया

16)

अ) B इ) C उ) C

आ) D ई) A

Hindi

I

1. स्वप्न
2. बहुत अच्छा
3. दो हज़ार नौ
4. का
5. अ)
6. हिमालय = हिम + आलय
7. विद्यार्थी
8. बुलाना
9. बेटी बाजार जाती है
10. पक्षी आसमान में उड़ते हैं।
11. लड़का पाठ पढ़ रहा है।
12. दादाजी अख़बार पढ़ता है।

9th class

Hindi SA-2

1st Page

9 class real question papers(ORIGINAL)

17 M

① स्वप्न (1×12=12m)

② अच्छा

③ दो हज़ार नौ

④ ना

⑤ अ) पेड़ - पौधे - द्वंद्व समास

⑥ हिम + आलय

⑦ विद्या र्थी

⑧ बोलना

⑨ बेटी बाजार जाते हैं।

⑩ पक्षी आसमान में उड़ते हैं।

⑪ लड़का पाठ पढ़ता है।

⑫ दादाजि अख़बर पढ़ती है।

⑬ Paragraph questions → (5×1=5m)

① सुंदरता,

② अधीत

③ मधुर

18..सोहन लाल द्विवेदी (22 फरवरी 1906-1 मार्च 1988) हिन्दी के प्रसिद्ध कवि थे। ऊर्जा और चेतना से भरपूर रचनाओं के इस रचयिता को राष्ट्रकवि की उपाधि से अलंकृत किया गया। महात्मा गांधी के दर्शन से प्रभावित, द्विवेदी जी ने बालोपयोगी रचनाएँ भी लिखीं। 1969 में भारत सरकार ने उन्हें पद्मश्री उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया था।

19.मेहमानों से हमेशा नर्मी से और बहुत ही सहुलियत के साथ पेश आना चाहिए। उनकी सेवा करनी चाहिए और हमारे घर में आकर उन्हें किसी चीज़ की कमी ना हो यह देखना हमारा फर्ज बनता है। उनके आराम का हमें पूरा ध्यान रखना चाहिए और उन्हें किसी भी तरह की तकलीफ नहीं होने दनी चाहिए।

17.सुभद्रा कुमारी चौहान (१६ अगस्त १९०४-१५ फरवरी १९४८) हिन्दी की सुप्रसिद्ध कवयित्री और लेखिका थीं। झाँसी की रानी (कविता) उनकी प्रसिद्ध कविता है। वे राष्ट्रीय चेतना की एक सजग कवयित्री रही हैं। स्वाधीनता संग्राम में अनेक बार जेल यातनाएँ सहने के पश्चात अपनी अनुभूतियों को कहानी में भी व्यक्त किया।

21.मज़दूरों को अधिक वेतन देना चाहिए।
मज़दूरों से ज़्यादा से ज्यादा घंटे काम न लेना चाहिए।
दिन में केवल आठ घंटे काम करवाना चाहिए।
• मज़दूरों और किसानों के बारे में सोचना
और उनकी सहायता करना चाहिए।
किसानों को साक्षर बनाने के लिए प्रौढ़ शिक्षा केंद्र बड़ी मात्रा में खोलना चाहिए।

22.अच्छी संगति से उसका स्वयं का परिवार तो अच्छा होता ही है साथ ही उसका प्रभाव समाज व राष्ट्र पर गहरा पड़ता है। जहां अच्छी संगति मनुष्य को समय-समय पर प्रेरणा देती है वही बुरी संगति वाले मनुष्य समय पर अंधतुल में गिर जाते हैं अच्छी संगति के व्यक्ति का मन शुद्ध निर्मल होता है।